



भाकृअनुप-डीओजीआर समाचार

ICAR-DOGR News

खंड 19 | अंक 2 | जुलाई-दिसम्बर, 2015
Volume 19 | No. 2 | July-December, 2015

इस अंक में / In this issue

अनुसंधान उपलब्धियां

Research Highlights

- प्याज की पांच तथा लहसुन की एक किस्में अधिसूचित
Five onion and one garlic varieties notified
- भीमा राज का पंजीकरण
Bhima Raj registered
- "दि ओनियन" पुस्तक का विमोचन
"The Onion" - book released
- चाईनीज-चाईवस का त्वरित गुणनीकरण
Rapid multiplication of Chinese-Chives
- अनूठा गुलाबी मल्टिप्लायर प्याज '1549-एग'
Unique pink multiplier onion '1549-Agg'
- प्याज एवं लहसुन पर जनजातीय उप परियोजना - एक सफल गाथा
TSP on onion and garlic - a success story

संस्थान की गतिविधियां / Institutional Activities

प्रशिक्षणों का आयोजन / Trainings organized

प्रदर्शनियों में सहभाग

Participation in Exhibitions

खेलकूद प्रतियोगिता / Sports Meet

मानव संसाधन विकास

Human Resource Development

कार्मिक / Personnel

संकलन एवं संपादन

Compiled and Edited by

डॉ. शैलेन्द्र शं. गाडगे/Dr. Shailendra S. Gadge

डॉ. कल्याणी गोरेपति/Dr. Kalyani Gorrepati

श्री. कुलदीप /Mr. Kuldip

डॉ. जय गोपाल/Dr. Jai Gopal

प्रकाशक / Published by

डॉ. जय गोपाल, निदेशक/Dr. Jai Gopal, Director

निदेशक की ओर से

From Director's Desk



अप्रैल, 2013 में अखिल भारतीय प्याज एवं लहसुन अनुसंधान नेटवर्क परियोजना पर बीसीकेवीवी, कल्याणी में आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में प्याज पर एक भारतीय प्रकाशन की जरूरत महसूस की गई, जिसे "दि ओनियन" पुस्तक के रूप में साकार किया गया। माननीय केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री. राधा मोहन सिंह ने दिनांक 22 सितम्बर, 2015 को एनएससी परिसर, नई दिल्ली में आयोजित कृषि एवं सहकारिता विभाग एवं भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की इन्टरफेस बैठक में औपचारिक रूप से इस पुस्तक का विमोचन किया। इस पुस्तक का प्रकाशन भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा किया गया है और इसका सम्पादन डॉ. एन.के. कृष्ण कुमार, डॉ. जय गोपाल एवं डॉ. वी.ए. पार्थसारथी ने किया है। इस पुस्तक में कुल 18 अध्याय हैं जिन्हें प्रारंभ से लेकर विपणन तक की स्थिति पर प्याज के संबंधित क्षेत्रों के विशेषज्ञों द्वारा लिखा गया है। इस मोनोग्राफ में आनुवंशिक संसाधन, आनुवंशिकी, जैव-

In April 2013, during the National Workshop of All India Network Research Project on Onion and Garlic held at BCKVV, Kalyani, a need was felt for an Indian publication on Onion. This vision has been translated into a book "The Onion". It was formally released by Hon. Union Agriculture Minister Shri. Radha Mohan Singh, on 22nd September, 2015 in DAC-ICAR interface meeting at NASC Complex, New Delhi. The book published by Indian Council of Agricultural Research, New Delhi has been edited by Drs. N.K. Krishna Kumar, Jai Gopal and V. A. Parthasarathy. This volume has 18 chapters written by experts in respective fields of onion from origin to marketing. The monograph reviews status and prospectus of onion research and development in genetic resources, genetics, biotechnology,

प्रौद्योगिकी, प्रजनन, फसल उत्पादन, फसल संरक्षण, बीज उत्पादन, कार्याकी विज्ञान, जैव-रसायनविज्ञान, प्रसंस्करण तथा भण्डारण में विकास के साथ-साथ वर्तमान समय में मूल्य उतार-चढ़ाव संबंधी पहलुओं की स्थिति समीक्षा तथा प्याज अनुसंधान की संभावनाएं शामिल हैं जिन्हें आंकड़ों, उदाहरणों तथा संदर्भों के माध्यम से प्रस्तुत किया गया है। छात्र, अनुसंधानकर्मी, किसान तथा उद्यमी सहित सभी पाठकवृंद प्याज पर समग्र जानकारी का लाभ इस पुस्तक से उठा सकेंगे।

भाकृअनुप-प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय द्वारा विकसित एवं अखिल भारतीय प्याज एवं लहसुन अनुसंधान नेटवर्क परियोजना के माध्यम से संस्तुत प्याज की पांच किस्मों तथा लहसुन की एक किस्म को केन्द्रीय किस्म निर्मुक्ति एवं अधिसूचना समिति, भारत सरकार द्वारा अधिसूचित किया गया। हितधारकों के लाभ के लिए इस समाचार पत्रिका में इन किस्मों के विवरण को शामिल किया गया है। चालू मौसम के लिए निदेशालय ने भाकृअनुप-प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय द्वारा विकसित प्याज की किस्मों के बीज 1,565 किसानों, 62 कृषि विज्ञान केन्द्रों, 13 राज्य विभाग/विश्वविद्यालयों, 41 निजी बीज कम्पनियों, तथा राष्ट्रीय बीज निगम व महाबीज को दिए। हालांकि, आपूर्ति किए गए बीजों की मात्रा को सीमित किया गया ताकि ये किस्मों अधिक से अधिक लाभान्वितों तक पहुंच सकें। इसी प्रकार, सभी इच्छुक आवेदकों को लहसुन की रोपण सामग्री भी दी गई। किसान उन्मुख आठ प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए जिनमें चार प्रशिक्षण कार्यक्रम नन्दुरबार के जनजातीय क्षेत्र में थे। निदेशालय ने 5 प्रदर्शनियों में भी अपनी सहभागिता दर्ज की। प्याज एवं लहसुन की उन्नत पद्धतियां, निदेशालय की किस्मों तथा श्रेणीकरण यंत्र पर प्रसार पुस्तिकाएं निकाली गईं। अंतर्राष्ट्रीय मृदा दिवस के अवसर पर 250 किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड वितरित किए गए। भाकृअनुप-प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय में हिन्दी पखवाड़ा समारोह के समापन पर हिन्दी राजभाषा पत्रिका "कन्दिका" का दूसरा अंक जारी किया गया। 'मेरा गांव मेरा गौरव' और 'स्वच्छ भारत अभियान' से संबंधित गतिविधियां भी चलाई गईं। हम, भाकृअनुप-प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय में अपने अनुसंधान एवं विकास तथा प्रसार गतिविधियों के माध्यम से किसानों तथा व्यापक स्तर पर समाज की सेवा की दिशा में सतत प्रयास करते रहेंगे।

जय गोपाल
जय गोपाल

breeding, crop production, crop protection, seed production, physiology, biochemistry, processing and storage as well as price volatility aspects to latest times, supported by data, illustrations and references. Readers including students, researchers, farmers as well as entrepreneurs will find all information on onion in one spine in this book.

Five onion varieties and one garlic variety developed by ICAR-DOGR and recommended through All India Network Project on Onion & Garlic have been notified by the Central Variety Release and Notification Committee, Govt. of India. The details on these varieties are included in this newsletter for the benefit of all stakeholders. For ongoing onion crops, we supplied seed of ICAR-DOGR varieties to 1565 farmers, 62 Krishi Vigyan Kendras, 13 state departments/universities, 41 private seed companies, National Seed Corporation and Mahabeej. However, the quantity of seed supplied was rationalized so that these varieties could reach the maximum number of beneficiaries. Similarly, garlic planting material was also supplied to all interested applicants. Farmers' oriented eight training programmes were arranged including four in the tribal belt of Nandurbar. We also participated in 5 exhibitions. Extension bulletins were brought out on improved practices for onion and garlic, DOGR varieties and graders. Soil health cards were distributed to 250 farmers on the occasion of International Soil Day. The second issue of Hindi Rajbhasha Patrika "Kandika" was released on the concluding day of Hindi Fortnight celebrations at DOGR. Activities pertaining to 'Mera Gaon Mera Gaurav' and 'Swachh Bharat Abhiyan' were also undertaken. We at DOGR will continue to strive in the service of farmers and the society in large through our R&D and extension activities.

जय गोपाल
Jai Gopal

अनुसंधान उपलब्धियां

प्याज की पांच तथा लहसुन की एक किस्में अधिसूचित

बागवानी फसलों के लिए केन्द्रीय फसल मानक, अधिसूचना तथा किस्म निर्मुक्ति उप-समिति की सिफारिशों पर गजट अधिसूचना सं. एस.ओ. 2277 (ई) दिनांक 17.8.2015 द्वारा भाकृअनुप-प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय द्वारा विकसित प्याज की पांच तथा लहसुन की एक किस्मों को अधिसूचित किया गया।




Research Highlights

Five onion and one garlic varieties notified

Five varieties of onion & one variety of garlic of ICAR-DOGR have been notified vide Gazette Notification No. S.O.2277 (E) dated 17.8.2015 on the recommendation of Central Sub-Committee on Crop Standards, Notification and Release of Varieties for Horticultural Crops.

नाम Name	के लिए अधिसूचित Notified for	प्रमुख गुण Salient features
प्याज Onion		
भीमा किरण Bhima Kiran	रबी मौसम : आन्ध्र प्रदेश, बिहार, दिल्ली, हरियाणा, कर्नाटक, महाराष्ट्र, पंजाब तथा उत्तर प्रदेश <i>Rabi season: Andhra Pradesh, Bihar, Delhi, Haryana, Karnataka, Maharashtra, Punjab and Uttar Pradesh</i>	हल्के लाल कंद, परिपक्वता अवधि 125-135 दिन, औसत उपज 28-32 टन/हे., उपज क्षमता 45 टन/हे, 5-6 माह तक भण्डारण योग्य। Light red bulbs, maturity 125-135 days, average yield 28-32 t/ha, potential yield 45 t/ha, storability 5-6 months
भीमा रेड Bhima Red	खरीफ मौसम : दिल्ली, गुजरात, हरियाणा, कर्नाटक, महाराष्ट्र, पंजाब, राजस्थान तथा तमिल नाडु <i>Kharif season: Delhi, Gujarat, Haryana, Karnataka, Maharashtra, Punjab, Rajasthan and Tamil Nadu</i> रबी मौसम : मध्य प्रदेश एवं महाराष्ट्र <i>Rabi season: Madhya Pradesh and Maharashtra</i>	लाल कंद, परिपक्वता अवधि 105-110 दिन (खरीफ) व 110-120 दिन (रबी), खरीफ तथा रबी में औसत उपज क्रमशः 26-28 टन/हे. एवं 30-32 टन/हे. तथा उपज क्षमता 40 टन/हे और खरीफ में भण्डारण क्षमता 30-45 दिन एवं रबी में 90 दिन तक। Red bulbs, maturity 105-110 days in <i>kharif</i> and 110-120 days in <i>rabi</i> , average yield 26-28 t/ha in <i>kharif</i> and 30-32 t/ha in <i>rabi</i> with potential yield 40 t/ha, storability 30-45 days in <i>kharif</i> and 90 days in <i>rabi</i>
भीमा डार्क रेड Bhima Dark Red	खरीफ मौसम : छत्तीसगढ़, दिल्ली, गुजरात, हरियाणा, जम्मू, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा, पंजाब, राजस्थान एवं तमिल नाडु <i>Kharif season: Chhattisgarh, Delhi, Gujarat, Haryana, Jammu, Karnataka, Madhya Pradesh, Maharashtra, Odisha, Punjab, Rajasthan and Tamil Nadu</i>	गहरे लाल कंद, खरीफ में परिपक्वता अवधि 100-110 दिन, औसत उपज 22-24 टन/हे. तथा उपज क्षमता 32 टन/हे. और खरीफ में 2 माह तक भण्डारण योग्य। Dark red bulbs, maturity 100-110 days in <i>kharif</i> , average yield 22-24 t/ha, potential yield 32 t/ha, storability 2 months in <i>kharif</i>
भीमा शुभ्रा Bhima Shubhra	खरीफ मौसम : छत्तीसगढ़, गुजरात, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा, राजस्थान एवं तमिल नाडु <i>Kharif season: Chhattisgarh,</i>	खरीफ मौसम के लिए प्याज की पहली सफेद किस्म, रोपण के 110-115 दिन पश्चात् परिपक्वता, औसत उपज 18-20 टन/हे. एवं उपज क्षमता 29 टन/हे.। पछेती खरीफ



नाम Name	के लिए अधिसूचित Notified for	प्रमुख गुण Salient features	
	Gujarat, Karnataka, Madhya Pradesh, Maharashtra, Odisha, Rajasthan and Tamil Nadu	के लिए भी उपयुक्त, 36-42 टन/हे., उपज क्षमता 56 टन/हे. खरीफ में 30 से 45 दिन तक भण्डारण योग्य। First white onion variety for <i>kharif</i> season, maturity 110-115 days, average yield 18-20 t/ha, potential yield 29 t/ha. Suitable for late <i>kharif</i> also with average yield 36-42 t/ha, potential yield 56 t/ha, storability 30 to 45 days in <i>kharif</i>	
भीमा श्वेता Bhima Shweta	खरीफ मौसम : छत्तीसगढ़, गुजरात, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा, राजस्थान एवं तमिल नाडु <i>Kharif</i> season: Chhattisgarh, Gujarat, Karnataka, Madhya Pradesh, Maharashtra, Odisha, Rajasthan and Tamil Nadu रबी मौसम: आन्ध्र प्रदेश, बिहार, दिल्ली, हरियाणा, कर्नाटक, महाराष्ट्र, पंजाब तथा उत्तर प्रदेश Rabi season: Andhra Pradesh, Bihar, Delhi, Haryana, Karnataka, Maharashtra, Punjab and Uttar Pradesh	सफेद कंद, परिपक्वता अवधि 110-120 दिन, खरीफ तथा रबी में औसत उपज क्रमशः 18-20 टन/हे. एवं 26-30 टन/हे. एवं उपज क्षमता 40 टन/हे.; रबी में 3 माह तक भण्डारण योग्य। White bulbs, maturity 110-120 days, average yield 18-20 t/ha in <i>kharif</i> and 26-30 t/ha in <i>rabi</i> , potential yield 40 t/ha, storability 3 months in <i>rabi</i>	
लहसुन Garlic			
भीमा ओमकार Bhima Omkar	रबी मौसम : हरियाणा, राजस्थान, गुजरात एवं दिल्ली <i>Rabi</i> season: Haryana, Rajasthan, Gujarat and Delhi	सफेद कंद, 120-135 दिन में परिपक्वता, औसत उपज 10-12 टन/हे., उपज क्षमता 14 टन/हे., 6-8 माह तक भण्डारण योग्य। White bulbs, maturity 120-135 days, average yield 10-12 t/ha, potential yield 14 t/ha, storability 6-8 months	

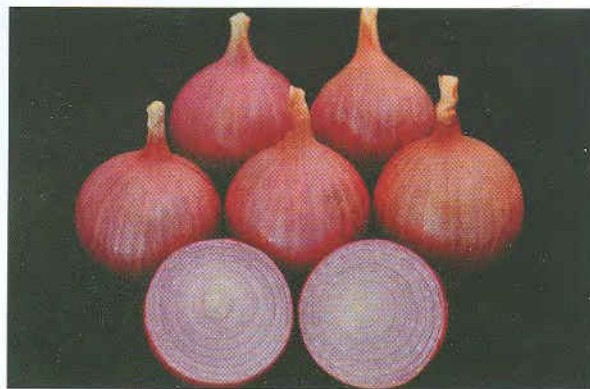
विजय महाजन, अमर जीत गुप्ता एवं जय गोपाल
Vijay Mahajan, Amar Jeet Gupta and Jai Gopal

भीमा राज का पंजीकरण

भाकृअनुप-प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय की प्रचलित किस्म के रूप में प्याज की गहरे लाल रंग के कंदों वाली किस्म भीमा राज का पंजीकरण इसके संरक्षण के लिए पौधा किस्म एवं कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण (पीपीवी एवं एफआरए), नई दिल्ली में कराया गया। इसकी पंजीकरण संख्या 262, दिनांक 19 अक्टूबर, 2015 है।

Bhima Raj registered

One dark red onion variety Bhima Raj has been registered with PPV&FRA, New Delhi for its protection as extant variety of ICAR-DOGR. Its registration No. is 262 dated 19th October, 2015.



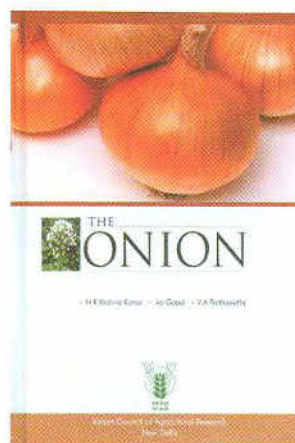
भीमा राज/Bhima Raj

“दि ओनियन” – पुस्तक का विमोचन

डॉ. एन.के. कृष्ण कुमार, डॉ. जय गोपाल तथा डॉ. वी.ए. पार्थसारथी द्वारा सम्पादित पुस्तक “दि ओनियन” का विमोचन माननीय केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री. राधा मोहन सिंह ने दिनांक 22 सितम्बर, 2015 को कृषि एवं सहकारिता विभाग एवं भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की इंटरफेस बैठक में किया। इसका प्रकाशन भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा किया गया है। इस पुस्तक में कुल 18 अध्याय हैं जिन्हें प्याज अनुसंधान एवं विकास के सभी महत्वपूर्ण पहलुओं को शामिल करते हुए प्याज के संबंधित क्षेत्रों के विशेषज्ञों द्वारा लिखा गया है। आशा है कि यह पुस्तक छात्रों तथा अनुसंधानकर्मियों के लिए जानकारी का भरपूर स्रोत होगी और यह किसानों तथा उद्यमियों के लिए भी ज्ञानवर्धक होगी।

“THE ONION” – book released

A book – “THE ONION” edited by Drs. N.K. Krishnakumar, Jai Gopal and V. A. Parthasarathy, has been released by Hon. Union Agriculture Minister, Shri. Radha Mohan Singh, on 22nd September, 2015 in DAC-ICAR interface meeting. This publication from Indian Council of Agricultural Research, New Delhi contains 18 chapters, covers all important aspects of onion research and development and written by experts in respective fields of onion. Hopefully, it would be a source of rich information for students and researchers and would be of great value for farmers and entrepreneurs alike.



चाईनीज –चाईवस का त्वरित गुणनीकरण

चाईनीज-चाईव (ऐलियम ट्यूबरोसम रॉटलर एक्स स्प्रेन्ज) ऐलियासी परिवार से है जिसका संबंध प्रचलित प्याज (ए. सीपा) तथा लहसुन (ए. सैटाइवम) से भी है। परन्तु, प्याज तथा लहसुन की तरह न होकर चाईनीज- चाईव एक बारहमासी शाकीय पौधा है। चूंकि इसमें लहसुन तथा हरे प्याज की तरह अधिक गंध होती है, इसलिए इसे आमतौर पर चीनी लहसुन अथवा चीनी लीक प्याज कहा जाता है। इसमें गहरे हरे रंग की

Rapid multiplication of Chinese-Chives

Chinese-Chive (*Allium tuberosum* Rottler. ex Spreng.) belongs to family alliaceae, to which common onion (*A. cepa*) and garlic (*A. sativum*) also belong. However, unlike onion and garlic, Chinese-Chive is a perennial herbaceous plant. Since it has strong odour like garlic and leek it is commonly called Chinese-Garlic or Chinese-Leek. It has dark green leaves and blooms throughout the year except

पत्तियां होती हैं और मार्च से मई की अवधि को छोड़कर वर्षभर में इसमें पुष्पन बना रहता है। इसके आकर्षक पुष्पछत्र में सफेद तथा तारामय अथवा चमकदार फूल होते हैं। इसकी खेती सजावट के साथ-साथ किचन गार्डन में पाककला उपयोग के लिए भी की जाती है। यह एक पर-परागित प्रजाति है लेकिन यदि इसे एकल पौधे के रूप में अलग कर दिया जाए तो इसमें बीज उत्पन्न नहीं होते। बल्कि इसमें स्वाभाविक रूप से पुष्पक्रम में कन्दिका का उत्पादन प्रारंभ हो जाता है। पृथक्करण के तहत प्राकृतिक रूप से हवादार कीटरोधी पॉलीहाउस में उगाई गई इस किस्म के पौधे में 48 पुष्पछत्रों के साथ 14 चूसक थे। इस पौधे द्वारा प्रति पुष्पछत्र 4 से 8 कन्दिकाओं के साथ 210 टॉप सेट कन्दिकाएं उत्पन्न हुईं। इन टॉप सेट कन्दिकाओं का इस्तेमाल शाकीय गुणनीकरण के प्रयोजन हेतु प्रवर्धन के रूप में किया जा सकता है। इस विधि से गुणनीकरण करने की दर चूसकों जो कि सीमित संख्या में उत्पन्न होते हैं, का उपयोग करने की तुलना में कहीं ज्यादा होती है। यह प्रवर्धन मूल के अनुरूप होते हैं और इसीलिए इनसे उत्पन्न संतति आनुवंशिकीय रूप से मातृ पौधे के अनुरूप होती है। टॉप सेट कन्दिकाओं से चिन्हित/चयनित किस्मों का तेजी से प्रवर्धन कर इस प्रजाति के चयनित जीनप्ररूपों को सजावट एवं पाककला में इस्तेमाल किया जा सकता है।



चाईनीज-चाईवस में पुष्पन तथा टॉप सेट कन्दिकाएं
Chinese-Chives with blooms and top-set bulbils

during March to May. It has white and starry flowers borne in an attractive umbel. It is grown both for ornamental as well as culinary use in kitchen garden.

It is a cross pollinated species, and does not produce seeds if kept in isolation as a single plant. Rather it gets naturally triggered to produce bulbils in inflorescence. A plant of this species grown in a naturally ventilated insect proof poly house under isolation had 14 suckers with 48 umbels. This plant produced 210 top-set bulbils with 4 to 8 bulbils per umbel. These top-set bulbils can be used as propagules for vegetative multiplication. The rate of multiplication this way is higher than using suckers, which are produced in limited numbers. These propagules are true-to-type and thus produce progeny genetically identical to mother plant. The ornamental and culinary potential of the selected genotypes of this species thus can be exploited by using top-set bulbils for rapid propagation of identified/selected types.



डी.सी. मंजूनाथ गौडा एवं जय गोपाल
D. C. Manjunathagowda and Jai Gopal

अनूठा गुलाबी मल्टिप्लायर प्याज '1549-एग'

मल्टिप्लायर प्याज (*एलियम सीपा* किस्म *एग्रीगैटम*) जैसा कि इसके नाम से पता चलता है, में समुचित शल्क कंदिका के गुच्छे उत्पन्न होते हैं। मुख्यतः इसकी खेती तमिलनाडु, आन्ध्र प्रदेश और कर्नाटक में की जाती है। यह दक्षिण भारतीय रसोई की एक प्रमुख डिश सांबर बनाने में उपयोग किए जाने के लिए प्रसिद्ध है। इस किस्म की उच्च निर्यात क्षमता भी है। मल्टिप्लायर प्याज की ऐसी कोई अगेती परिपक्वता किस्म नहीं है जिसे खरीफ तथा रबी दोनों मौसमों में बोया जा सके। भाकृअनुप-प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय द्वारा कगाती और चिन्तामणि (कर्नाटक) से संकलित नमूनों से क्लोनल सेलेक्शन करके एक जीनप्ररूप '1549-

Unique pink multiplier onion '1549-Agg'

Multiplier onion (*Allium cepa* var. *aggregatum*) as the name indicates produces cluster of aggregated bulblets. It is mainly grown in Tamil Nadu, Andhra Pradesh and Karnataka. It is famous for its use in *Sambar* preparation, an important dish in South Indian kitchen. It has high export potential also. There is no early maturing variety of multiplier onion that could be grown both in *kharif* and *rabi*. ICAR-DOGR has developed a genotype '1549-Agg' through clonal selection from samples collected

एग' विकसित किया गया। यह खरीफ तथा रबी दोनों मौसम के लिए उपयुक्त एक अनूठा मल्टिप्लायर प्याज जीनप्ररूप है। रोपण के 85 दिन पश्चात् यह पककर तैयार हो जाता है जो कि प्रचलित किस्म सीओ-5 की तुलना में लगभग एक सप्ताह पहले है। इसमें प्रति कंद छः एकसमान शल्क कंदिकाएँ होती हैं जिनका रंग आकर्षक गुलाबी होता है तथा कन्द ग्रीवा की ओर पतले होते हुए अंडाकार होते हैं। इस किस्म में कुल घुलनशील ठोस पदार्थ 13.5 से 14.6° ब्रिक्स होता है और औसत उपज 20 से 22 टन/हेक्टेयर होती है।

from Kagati and Chintamani (Karnataka). It is a unique early multiplier onion suitable both for *kharif* and *rabi* seasons. It matures in 85 days after planting i.e. about one week earlier than the popular variety CO-5. It has six uniform bulblets per bulb which are attractive pink in colour and oval in shape tapering towards neck. Total soluble solids are 13.5-14.5° brix and average yield is 20-22 t/ha.



अनूठा अगेती एवं उच्च उपजशील वाला गुलाबी मल्टिप्लायर प्याज '1549- एग'
Unique early and high yielding pink multiplier onion '1549-Agg'

अमर जीत गुप्ता, विजय महाजन एवं जय गोपाल
Amar Jeet Gupta, Vijay Mahajan and Jai Gopal

प्याज एवं लहसुन पर जनजातीय उपपरियोजना - एक सफल गाथा

प्याज एवं लहसुन महत्वपूर्ण व्यावसायिक फसलें हैं जिनसे किसानों की आजीविका में सुधार लाया जा सकता है। महाराष्ट्र में नन्दुरबार के जनजातीय क्षेत्र में व्यावसायिक स्तर पर प्याज व लहसुन के उत्पादन के लिए अनुकूल जलवायु परिस्थितियाँ विद्यमान हैं। लेकिन भाकृअनुप-प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय द्वारा इस क्षेत्र में जनजातीय उपपरियोजना की शुरुआत करने से पूर्व इन फसलों की खेती किचन गार्डन तक ही सीमित थी। इस योजना को इस क्षेत्र में अप्रैल, 2013 में प्रारंभ किया गया था। इसके लिए 35 किसान समूहों में से लगभग 350 जनजातीय किसानों को चुना गया। प्रत्येक समूह द्वारा नन्दुरबार जिले की

TSP on onion and garlic- a success story

Onion and garlic are important commercial crops which can improve livelihood of farmers. The tribal belt of Nandurbar in Maharashtra has congenial climatic conditions for production of onion and garlic at commercial level. But cultivation of these crops was limited to the kitchen garden before the initiation of Tribal Sub-Plan (TSP) in this area by ICAR-DOGR. The scheme was initiated in this area in April, 2013. About 350 tribal farmers were selected from 35 farmers groups. Each group undertook demonstrations on onion and garlic cultivation in one acre of land in Navapur,



नवापुर, अक्कलकुआ और धडगांव तालुका में एक एकड़ भूमि में प्याज तथा लहसुन की खेती पर प्रदर्शन लगाए गए।

कुल मिलाकर, इस क्षेत्र में प्याज व लहसुन की नई उन्नत किस्मों और उत्पादन प्रौद्योगिकी पर 49 प्रदर्शन आयोजित किए गए। खरीफ प्याज के उत्पादन पर प्रदर्शन नन्दुरबार जिले की नवापुर तालुका में आयोजित किए गए। भाकृअनुप-प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय द्वारा जनजातीय उप परियोजना के तहत 9 प्रक्षेत्र दिवस और 4 प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन करके एक हजार से भी अधिक जनजातीय किसानों को प्रशिक्षित किया गया। चयनित क्षेत्रों के अधिकांश किसान अब व्यावसायिक स्तर पर प्याज एवं लहसुन की खेती कर रहे हैं। प्याज एवं लहसुन की व्यावसायिक खेती से पंद्रह जनजातीय गांवों को लाभ पहुंचा है। इन क्षेत्रों की पारम्परिक रूप से उगाई गई फसलों के मुकाबले प्याज व लहसुन की खेती अधिक लाभप्रद है। किसानों द्वारा रबी के मौसम के दौरान प्याज की किस्म भीमा शक्ति का लगभग 120 क्विंटल कंद उत्पादन करके 80,000 से 1,00,000 रुपये की शुद्ध आय अर्जित की गई और लगभग इतनी ही आय खरीफ के मौसम में भीमा सुपर का 80 क्विंटल कंद उत्पादन करके भी अर्जित की गई। इस इलाके में लहसुन की खेती को भी व्यावसायिक स्तर पर प्रारंभ किया गया है। भाकृअनुप-प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय द्वारा विकसित लहसुन की किस्म भीमा पर्पल का प्रति एकड़ लगभग 30 क्विंटल कंद उत्पादन करके 80,000 से 90,000 रुपये की आय अर्जित की गई।

नन्दुरबार क्षेत्र में प्याज के बीज उत्पादन के लिए भी अनुकूल जलवायु परिस्थितियां मौजूद हैं। प्याज के मुख्य परागकों, मधुमक्खियों की व्यापक मौजूदगी से इस क्षेत्र में बीज उत्पादन की क्षमता और अधिक होती है। अतः प्याज के बीज उत्पादन का प्रदर्शन जनजातीय उप परियोजना के तहत इस क्षेत्र में किया गया। किसानों द्वारा भीमा किरण का प्रति एकड़ लगभग 250 किग्रा. बीज उत्पादन करके 1,00,000 से 1,20,000 रुपये तक की शुद्ध आय अर्जित की गई। भाकृअनुप-प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय का आशय इस योजना को नए क्षेत्रों में विस्तार करना है।

संस्थान की गतिविधियां

डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम को श्रद्धांजलि

भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम, मिसाइल मैन का दिनांक 27 जुलाई, 2015 को निधन हो गया। भाकृअनुप-प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय के सभी कार्मिकों ने दिनांक 28 जुलाई, 2015 को प्रातः 11.00 बजे दो मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

स्वतंत्रता दिवस समारोह

भाकृअनुप-प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय में 69वां स्वतंत्रता दिवस अति उत्साह एवं उमंग के साथ मनाया गया। इस अवसर पर भाकृअनुप-प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय के निदेशक डॉ. जय

Akkalkua and Dhadgoan talukas of Nandurbar district.

In total, 49 demonstrations on newly improved varieties of onion and garlic and production technology were undertaken in this area. Demonstrations on *Kharif* onion production were carried out in Navapur taluka of Nandurbar district. More than one thousand tribal farmers have been trained by ICAR-DOGR under TSP by organizing 9 field days and 4 trainings. Most of the farmers of selected areas now cultivate onion and garlic on commercial scale. Fifteen tribal villages got benefited by commercial cultivation of onion and garlic. Onion and garlic are more profitable than the traditionally grown crops of these areas. Farmers have earned a net income of Rs. 80,000-1,00,000 per acre by production of about 120 q bulbs of onion variety Bhima Shakti during *rabi* season and almost same income by production of about 80 q bulbs of Bhima Super in *kharif* season. Cultivation of garlic at commercial level has also been introduced in this belt. An amount of Rs. 80,000-90,000 per acre is earned through production of about 30 q bulbs per acre of Bhima Purple – a garlic variety of ICAR-DOGR.

Nandurbar area also has favorable climatic conditions for onion seed production. Vast availability of honey bees - the main pollinators of onion, further enhances the potential of seed production in this area. Thus production of onion seed was demonstrated under TSP in this area. Farmers have earned a net income of Rs. 1,00,000 - 1,20,000 per acre through production of about 250 kg seeds per acre of variety Bhima Kiran. ICAR-DOGR intends to carry this scheme further to new areas.

अमर जीत गुप्ता, जय गोपाल, एस.एस. गाडगे एवं आर.एम. पाटील
Amar Jeet Gupta, Jai Gopal, S.S. Gadge and R.M. Patil

Institutional Activities

Homage to Dr. APJ Abdul Kalam

Former President of India Dr. APJ Abdul Kalam, the missile man died on 27th July, 2015. All staff of ICAR-DOGR paid homage to the departed soul by observing a two-minute silence on 28th July 2015 at 11.00 AM.

Independence Day Celebrated

ICAR-Directorate of Onion and Garlic Research celebrated 69th Independence Day with great fervor and joy. Dr. Jai Gopal, Director, ICAR-DOGR hoisted the

गोपाल ने निदेशालय के परिसर में राष्ट्रीय ध्वज फहराया। अपने सम्बोधन में उन्होंने इस दिन की महत्ता पर बल दिया और भारत के स्वतंत्रता आन्दोलन में बलिदान देने वाले शहीदों को नमन किया। डॉ. जय गोपाल ने कार्मिकों से पूरी गंभीरता एवं ईमानदारी से कार्य करके राष्ट्र के विकास में अपना योगदान देने का आह्वान किया। इस अवसर पर कर्मचारी कल्याण समिति की ओर से कार्मिकों के बच्चों को 10वीं तथा 12वीं कक्षा में उनकी विशेष उपलब्धियों के लिए प्रमाणपत्र एवं पुरस्कार भी वितरित किए गए।

सद्भावना दिवस

भाकृअनुप-प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय में दिनांक 20 अगस्त, 2015 को सद्भावना दिवस मनाया गया। इस अवसर पर भाकृअनुप-प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय के सभी कार्मिकों ने हिंसा का त्याग करने और लोगों के बीच सद्भाव को बढ़ावा देने की शपथ ली। सद्भावना का मुख्य उद्देश्य राष्ट्रीय एकता व अखण्डता और विभिन्न धर्मों, भाषाओं एवं क्षेत्रों के लोगों के बीच सामुदायिक समरसता को बढ़ावा देना है।

हिन्दी पखवाड़ा

भाकृअनुप-प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय में दिनांक 14 - 28 सितम्बर, 2015 के दौरान हिन्दी पखवाड़ा मनाया गया। इसका शुभारंभ निदेशक महोदय ने किया। राजभाषा सचिव द्वारा गत वर्ष में हिन्दी में किए गए कार्यों और भविष्य में हिन्दी भाषा के प्रयोग पर विस्तृत चर्चा की गई। हिन्दी पखवाड़े के दौरान निदेशालय के कार्मिकों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिनमें सभी वर्गों के कार्मिकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। हिन्दी पखवाड़े के समापन समारोह में राष्ट्रीय रासायनिक प्रयोगशाला, पुणे की राजभाषा अधिकारी डॉ. स्वाति चड्ढा मुख्य अतिथि थीं। डॉ. चड्ढा ने हिन्दी भाषा के अधिकाधिक प्रयोग, भारत में हिन्दी का स्तर, विभिन्न समस्याओं तथा उपलब्धियों का विस्तृत वर्णन किया। तत्पश्चात् संस्थान की राजभाषा पत्रिका 'कन्दिका' के द्वितीय अंक का विमोचन डॉ. जय गोपाल, निदेशक महोदय, मुख्य अतिथि तथा डॉ. अमरजीत गुप्ता के द्वारा किया गया। निदेशक महोदय ने निदेशालय में हिन्दी में की गई प्रगति तथा हिन्दी को बढ़ावा देने के लिए किए जा रहे

national flag. In his address, he emphasized the importance of this day and paid tributes to martyrs for the sacrifices they made for the freedom of India. He appealed to staff to contribute to development of the country by working sincerely and honestly. On the occasion, certificates and prizes were distributed on behalf of staff welfare association to children of the staff for their special achievements in tenth and twelfth standards.

Sadbhavana Diwas

ICAR - Directorate of Onion Garlic Research observed Sadbhavana Diwas on 20th August 2015. A pledge to eschew violence and promote goodwill among the people was taken by all the staff of ICAR-DOGR. The theme of Sadbhavana is to promote national integration and communal harmony among people of all religions, languages and regions.

Hindi Fortnight

ICAR - Directorate of Onion Garlic Research observed Hindi fortnight during 14-28 September, 2015. The programme was launched by the Director, ICAR-DOGR. The work done in Hindi in previous year and its future prospects were discussed in detail by Hindi Rajbhasha Secretary. Various competitions were organized for staff of the Directorate during this period. Staff participated in these competitions with huge enthusiasm. Dr. Swati Chaddha, Hindi officer, National Chemical Laboratory, Pune was the chief guest for the closing ceremony of the Hindi fortnight. She made a presentation on maximizing the use of the Hindi language, its status in India, various problems and achievements. The second issue of Institute's Rajbhasha Patrika 'Kandika' was released by the Director Dr. Jai Gopal, the Chief Guest Dr. Swati Chaddha, and Sr. Scientist Dr Amar Jeet Gupta. Director



प्रयासों पर प्रकाश डाला। इस समारोह में विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले सफल प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान किए गए। धन्यवाद प्रस्ताव एवं राष्ट्रगान के उपरान्त कार्यक्रम का समापन किया गया।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह

केन्द्रीय सतर्कता आयोग, भारत सरकार, नई दिल्ली और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के आदेशानुसार इस वर्ष भी सतर्कता जागरूकता सप्ताह दिनांक 26 से 31 अक्टूबर, 2015 तक मनाया गया। इस वर्ष सतर्कता जागरूकता सप्ताह का विषय "सतर्कता से रोकथाम - नतीजा है सुशासन" था। सतर्कता सप्ताह के दौरान दिनांक 26 अक्टूबर, 2015 को निदेशालय के समस्त कार्मिकों ने प्रातः 11.00 बजे सभागार में लोक सेवा, सत्यनिष्ठा, ईमानदारी, पारदर्शिता तथा संस्थान को भ्रष्टाचार मुक्त बनाए रखने की प्रतिज्ञा ली जिसके प्रचार-प्रसार के लिए निदेशालय के मुख्य प्रवेश द्वार पर बैनर एवं सूचनापट्ट पर परिपत्र द्वारा जागरूकता सृजन का प्रयास किया गया। सतर्कता सप्ताह के दौरान दिनांक 29 अक्टूबर, 2015 को अपरान्ह 3.30 बजे चर्चा सत्र का आयोजन किया गया जिसमें निदेशालय के सतर्कता अधिकारी एवं संस्थान के प्रभारी निदेशक डॉ. विजय महाजन तथा प्रशासनिक अधिकारी श्री. सुनिल कुमार ने अपने विचार व्यक्त किए और विशेष रूप से समस्त कार्मिकों से आह्वान किया कि उनके द्वारा सतर्कता सप्ताह को केवल औपचारिकता मात्र न माना जाए बल्कि अपने वास्तविक जीवन में भी इसे आत्मसात किया जाए तथा सार्वजनिक खरीद में नियमों का पूर्णतः अनुपालन किया जाए जिससे हमारे द्वारा किए गए कार्यों में पारदर्शिता झलकती रहे। निदेशक महोदय ने यह भी बताया कि निःस्वार्थ भाव से देश व समाज हित के लिए यदि हम ईमानदारी से अपना कार्य करेंगे तो हम हर समय जागरूक रहेंगे और भ्रष्टाचार मुक्त कार्य करने में सफल होंगे। इन्हीं विचारों के साथ दिनांक 31 अक्टूबर, 2015 को सतर्कता जागरूकता सप्ताह का समापन हुआ।

राष्ट्रीय एकता दिवस

सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती के अवसर पर दिनांक 31 अक्टूबर, 2015 को राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया गया। इस अवसर पर भाकृअनुप-प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय के सभी कार्मिकों ने देश की एकता और अखण्डता को बनाए रखने की शपथ ली।

भाकृअनुप-प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय द्वारा विश्व मृदा दिवस समारोह

भाकृअनुप-प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय द्वारा दिनांक 5 दिसम्बर, 2015 को विश्व मृदा दिवस मनाया गया। इस अवसर पर मेरा गांव मेरा गौरव कार्यक्रम के तहत चयनित 250 किसानों के लिए मृदा स्वास्थ्य कार्ड तैयार किए गए, जिनका वितरण किसानों को कृषि विज्ञान केन्द्र, नारायणगांव में आयोजित कार्यक्रम में किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता माननीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री श्री. मोहनभाई

described the work done and efforts being made for the use of Hindi at DOGR. Winners of various competitions were given prizes. The programme ended with the national anthem and vote of thanks.

Vigilance Awareness Week

As per the order of Central Vigilance Commission, Government of India, New Delhi and Indian Council of Agricultural Research, ICAR-DOGR observed Vigilance Awareness Week during 26 - 31 October, 2015. This year the subject of vigilance week was "Good governance is the result of prevention by vigilance". During this period, on 26th October, 2015, the staff of ICAR-DOGR took pledge at 11.00 am in the conference room. They vowed to maintain institution free of corruption through their truth, honesty, and transparency. Banners and posters were displayed at entrance of the Directorate to create awareness in public regarding vigilance. Discussion session was held on 29th October 2015 at 3.30 pm. Vigilance Officer & in charge Director Dr. Vijay Mahajan and Administrative Officer Shri. Sunil Kumar gave their views, and emphasized that the vigilance week should not be a mere formality, but followed earnestly particularly in following the public procurement rules. Director told that every person should work with honesty and ensure that there is vigilance at all times so as to function without corruption. The Vigilance Awareness Week concluded on 31st October 2015.

National Unity Day

In order to commemorate the birth anniversary of Sardar Vallabhbhai Patel, National Unity Day was observed on 31st October 2015. The pledge to maintain the unity and integrity of the country was taken by all the staff of ICAR-DOGR.

ICAR-DOGR celebrates World Soil Day

ICAR-DOGR celebrated World Soil Day on 5th December, 2015. Soil Health Cards for 250 farmers selected under My Village My Pride programme were prepared. The cards were distributed to the farmers at function organized at KVK, Narayangaon for this purpose. Minister of State for Agriculture, Govt. of India Shri. Mohanbhai K. Kundaria presided over the function. Member of Parliament, Shirur, Shri. Shivajirao Adhalrao

के. कुंडरिया ने की। इस कार्यक्रम में शिरूर के माननीय सांसद श्री. शिवाजीराव आढळराव पाटील; विधानसभा सदस्य श्री. पाशा पटेल; महाराष्ट्र सरकार के कृषि आयुक्त श्री. विकास देशमुख; एमपीकेवी, राहुरी के प्रसार शिक्षा निदेशक डॉ. के.डी. कोकाटे; एवं भाकृअनुप-प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय के निदेशक डॉ. जय गोपाल भी उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में एक प्रदर्शनी भी लगाई गई, जिसमें भाकृअनुप-प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय द्वारा विकसित प्रौद्योगिकियों को दर्शाया गया। भाकृअनुप-प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय के वैज्ञानिकों ने किसानों को प्याज व लहसुन की खेती प्रारंभ करने से पूर्व अपने खेत की मिट्टी की जांच कराने की सलाह दी। खेतों से मिट्टी के नमूनों को संकलित करने की तकनीक भी प्रदर्शित की गई।



जय किसान – जय विज्ञान सप्ताह

भारत के दो पूर्व प्रधानमंत्री श्री. अटल बिहारी वाजपेयी एवं स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह की जयंती के अवसर पर उनके किसानों के कल्याण के लिए विज्ञान को बढ़ावा देने में उल्लेखनीय योगदान को ध्यान में रखते हुए भाकृअनुप-प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय में दिनांक 23 - 29 दिसम्बर, 2015 को जय किसान जय विज्ञान सप्ताह मनाया गया। दिनांक 26 दिसम्बर, 2015 को प्याज एवं लहसुन की उन्नत खेती विधियों पर किसानों के प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में मेरा गांव मेरा गौरव योजना के तहत तालुका शिरूर, जिला पुणे से चुने गए 25 किसानों ने भाग लिया। प्याज तथा लहसुन से संबंधित विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के उपरांत, वैज्ञानिक-किसान विचार-विमर्श का आयोजन किया गया जिसमें वैज्ञानिकों ने किसानों के प्रश्नों के उत्तर दिए। किसानों को तकनीकी जानकारी देने एवं प्रदर्शनों को दिखाने के लिए निदेशालय के प्रदर्शनी कक्ष तथा अनुसंधान प्रक्षेत्र का दौरा भी कराया गया।

एनआईसीआरए की बैठक

दिनांक 13-14 अगस्त, 2015 को कोच्चि में आयोजित एनआईसीआरए की चतुर्थ वार्षिक कार्यशाला की सिफारिशों के अनुसार भाकृअनुप-प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय को सौंपे गए संघटक के

Patil, Member of Legislative Council Shri. Pasha Patel, Commissioner of Agriculture, Govt. of Maharashtra, Shri. Vikas Deshmukh, Director of Extension Education, MPKV, Rahuri, Dr. K.D. Kokate and Director, ICAR-DOGR Dr. Jai Gopal were also present on the occasion. An exhibition was also arranged in which the technologies developed by ICAR-DOGR were displayed. ICAR-DOGR scientists advised farmers to get their soils tested before onion and garlic cultivation. The technique of collecting soil samples from fields was also demonstrated.

Jai Kisan Jai Vigyan Week

ICAR-DOGR celebrated Jai Kisan Jai Vigyan week during 23-29 December, 2015 on the birth anniversary of Shri Atal Bihari Vajpayee and Late Shri Chaudhary Charan Singh, two former Prime Ministers of India, keeping in view of their immense contribution for promoting use of science for the welfare of farmers. Farmers training on improved cultivation practices for onion and garlic was organized on 26th December 2015. In total, 25 farmers selected from Taluka Shirur, District Pune under My Village My Pride scheme participated in this training. Different topics related to onion and garlic production were covered in the training. After training programme, Scientists-Farmers interaction was held in which queries from the farmers were answered by the scientists. Farmers were also taken to the exhibition hall and the research farm of the Directorate for showcasing of technical know-how and demonstrations.

NICRA Meeting

As per the recommendations of 4th Annual NICRA workshop held at Kochi during 13-14, August 2015, a one-day meeting was organized at ICAR-Directorate of

तकनीकी कार्यक्रमों को अंतिम रूप प्रदान करने के लिए दिनांक 29 दिसम्बर, 2015 को भाकृअनुप-प्याज व लहसुन अनुसंधान निदेशालय, पुणे में एक दिवसीय बैठक आयोजित की गई। इस बैठक की अध्यक्षता निदेशालय के निदेशक डॉ. जय गोपाल ने की। इस बैठक में डॉ. एम. श्रीनिवास राव, प्रधान वैज्ञानिक व एनआईसीआरए प्रमुख भाकृअनुप-सीआरआईडीए, हैदराबाद; डॉ. एस. वनिता, प्रधान वैज्ञानिक, भाकृअनुप-एनसीआईपीएम, नई दिल्ली; डॉ. वी. श्रीधर, भाकृअनुप-भारतीय बागवानी अनुसंधान संस्थान, बैंगलुरु तथा एनआईसीआरए कार्यक्रम से जुड़े डीओजीआर के वैज्ञानिकों ने भाग लिया। प्रस्तुतीकरण के साथ-साथ आरटीपीडी के भावी तकनीकी कार्यक्रमों के विकास पर चर्चा भी की गई जिसमें अनेक सिफारिशें उभरकर सामने आईं जिनसे कार्यक्रम को प्रभावी तरीके से क्रियान्वित करने में मदद मिलेगी। इस बैठक में तकनीकी, प्रशासनिक तथा वित्तीय मामलों पर भी चर्चा की गई।

स्वच्छ भारत अभियान

स्वच्छ भारत-हरित भारत। भाकृअनुप-प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय द्वारा बागीचे में सौंदर्यीकरण करके अपने परिसर को हरा-भरा बनाया है। भाकृअनुप-प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय के कार्मिकों द्वारा सप्ताह में एक बार निदेशालय में और महीने में एक बार गांव शिरोली में स्वच्छता अभियान चलाया जाता है। बेहतर कृषि विधियों के बारे में भी जागरूकता का प्रसार जाता है। जैव अपघटनीय अपशिष्ट को कम्पोस्ट तथा वर्मीकम्पोस्ट खाद में परिवर्तित किया जाता है। गैर जैव अपघटनीय अपशिष्ट का निपटान सुरक्षित तरीके से किया जाता है। प्रशिक्षण कार्यक्रमों के दौरान प्रशिक्षुओं तथा किसानों तथा साथ ही भाकृअनुप-प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय का दौरा करने वाले छात्रों एवं आगन्तुकों के बीच 'स्वच्छ भारत अभियान' पर जागरूकता प्रदान की जाती है। स्वच्छता के बारे में स्लोगन के साथ परिसर में बोर्ड प्रदर्शित किए गए हैं।

Onion and Garlic Research (DOGR), Pune on 29-12-2015 to finalize the technical programme of the component assigned to ICAR-DOGR. The meeting was chaired by Dr. Jai Gopal, Director of the Institute. Dr. M. Srinivasa Rao, Principal Scientist, NICRA lead center, ICAR-CRIDA, Hyderabad, Dr. S. Vennila, Principal Scientist, ICAR-NCIPM, New Delhi and Dr. V Sridhar, ICAR-IIHR, Bengaluru and various scientists from DOGR associated with the NICRA programme attended the meeting. Besides making presentations, discussions on development of future technical programme of RTPD was held. Many recommendations emerged which would help in implementing the programme effectively. The technical, administrative and financial issues were also discussed.

Swachh Bharat Abhiyan

Clean India is Green India. ICAR-DOGR campus has extended its greenery by garden beautification. Staff of ICAR-DOGR undertakes cleanliness activities once in week at ICAR-DOGR and twice a month at village Shirol. Awareness regarding good agricultural practices is also disseminated. Biodegradable waste is converted into compost and vermicompost manures. Non-biodegradable waste is disposed safely. Awareness of 'Swachh Bharat Abhiyan' is also extended to trainees and farmers during the training programmes and also to the visitors and students visiting ICAR-DOGR. Display boards with quotes of cleanliness have been displayed at the campus.

Trainings organized / प्रशिक्षणों का आयोजन

प्रशिक्षण का शीर्षक Topic of Training	द्वारा प्रायोजित Sponsored by	तारीख व स्थान Date and Venue	प्रतिभागियों की संख्या No. of participants
प्याज एवं लहसुन की वैज्ञानिक खेती Scientific cultivation of Onion and Garlic	परियोजना निदेशक, आत्मा, नासिक Project Director, ATMA, Nashik	24-26 अगस्त, 2015 भाकृअनुप-प्यालअनुनि, राजगुरुनगर 24-26 August, 2015 ICAR-DOGR, Rajgurunagar	नासिक जिले के 21 किसान 20 farmers from District Nashik
वैज्ञानिकों के लिए लेखन एवं प्रकाशन कौशल Writing and publishing skills for scientists	एडिटेज, कैक्टस कम्प्यूनीकेशन, पुणे Editage, Cactus Communication, Pune	28 अगस्त, 2015 भाकृअनुप-प्यालअनुनि, राजगुरुनगर 28 August, 2015 ICAR-DOGR, Rajgurunagar	भाकृअनुप-प्यालअनुनि, राजगुरुनगर के 12 वैज्ञानिक 12 Scientists from ICAR-DOGR, Rajgurunagar
मिट्टी की जांच एवं मृदा स्वास्थ्य कार्ड का महत्व Importance of soil testing and soil health card	भाकृअनुप-प्यालअनुनि, राजगुरुनगर ICAR-DOGR, Rajgurunagar	1 अक्टूबर, 2015 भाकृअनुप-प्यालअनुनि, राजगुरुनगर 1 October, 2015 ICAR-DOGR, Rajgurunagar	पुणे जिले के 30 किसान 30 farmers from District Pune

प्रशिक्षण का शीर्षक Topic of Training	द्वारा प्रायोजित Sponsored by	तारीख व स्थान Date and Venue	प्रतिभागियों की संख्या No. of participants
प्याज एवं लहसुन की उन्नत खेती Improved cultivation of onion and garlic	टीएसपी, भाकृअनुप-प्यालअनुनि, राजगुरुनगर TSP, ICAR-DOGR, Rajgurunagar	6 अक्टूबर, 2015 केविके, नन्दुरबार 6 October, 2015 KVK Nandurbar	नन्दुरबार जिले के 95 किसान 95 farmers from District Nandurbar
प्याज एवं लहसुन की खेती Onion and Garlic cultivation	भाकृअनुप-प्यालअनुनि, राजगुरुनगर ICAR-DOGR, Rajgurunagar	7 अक्टूबर, 2015 भाकृअनुप-प्यालअनुनि, राजगुरुनगर 7 October, 2015 ICAR-DOGR, Rajgurunagar	ओड़िशा के 15 अधिकारी 15 officers from Odisha
प्याज एवं लहसुन की व्यावसायिक खेती Commercial cultivation of onion and garlic	टीएसपी, भाकृअनुप-प्यालअनुनि, राजगुरुनगर TSP, ICAR-DOGR, Rajgurunagar	27 अक्टूबर, 2015 निम्भोनी 27 October, 2015 Nimbhoni	नन्दुरबार के 50 किसान 50 farmers from District Nandurbar
प्याज का बीज उत्पादन Onion seed production	टीएसपी, भाकृअनुप-प्यालअनुनि, राजगुरुनगर TSP, ICAR-DOGR, Rajgurunagar	28 अक्टूबर, 2015 खांडबारा 28 October, 2015 Khandbara	नन्दुरबार जिले के 50 किसान 50 farmers from District Nandurbar
प्याज की निकासी, भण्डारण एवं विपणन Onion harvesting, storage and marketing	केविके, तुलजापुर KVK, Tuljapur	6 नवम्बर, 2015 भाकृअनुप-प्यालअनुनि, राजगुरुनगर 6 November, 2015 ICAR-DOGR, Rajgurunagar	तुलजापुर, जिला उस्मानाबाद के 25 किसान 25 farmers from Tuljapur, District Osmanabad
प्याज एवं लहसुन की खेती Cultivation of onion and garlic	टीएसपी, भाकृअनुप-प्यालअनुनि, राजगुरुनगर TSP, ICAR-DOGR, Rajgurunagar	14 दिसम्बर, 2015 14 December, 2015	नन्दुरबार जिले के 75 किसान 75 farmers from District Nandurbar
प्याज एवं लहसुन खेती के लिए उन्नत विधियाँ Improved cultivation practices for onion and garlic	भाकृअनुप - प्यालअनुनि, राजगुरुनगर ICAR-DOGR, Rajgurunagar	26 दिसम्बर, 2015 26 December, 2015	तालुका शिरूर, जिला पुणे के 25 किसान 25 farmers from Tal. Shirur, District Pune

रिपोर्टाधीन अवधि में कुल 1900 किसानों, छात्रों, तथा निजी एवं सरकारी अधिकारियों ने निदेशालय का दौरा किया। उन्हें भाकृअनुप-प्यालअनुनि द्वारा विकसित विभिन्न प्रौद्योगिकियों के बारे में जानकारी प्रदान की गई।

A total of 1900 farmers, students and private and govt. officials visited the Directorate during this period. They were guided about the different technologies developed by ICAR-DOGR.



आत्मा के अन्तर्गत प्रशिक्षण कार्यक्रम
ATMA training programme



लेखन एवं प्रकाशन कौशल पर प्रशिक्षण
Training on writing and publishing skills

प्रदर्शनियों में सहभाग/Participation in Exhibitions

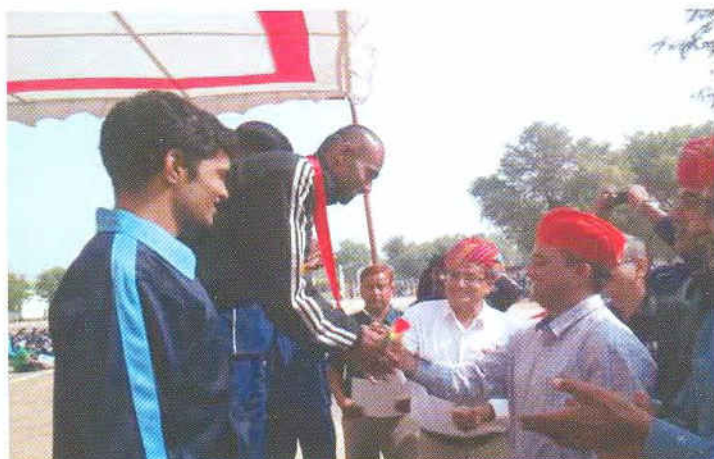
प्रदर्शनी Exhibition	आयोजक Organizer	दिनांक Date	स्थान Venue
एग्रोवन एग्री एक्सपो 2015 Agrowon Agri Expo 2015	सकाल मीडिया ग्रुप, पुणे Sakal Media Group, Pune	23-27 अक्टूबर, 2015 23-27 October, 2015	एचए मैदान, पुणे HA Ground, Pune
किसान दिवस पर प्रदर्शनी Exhibition on Farmers Day	भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान क्षेत्रीय केन्द्र, बाणेर, पुणे IARI Regional Station, Baner, Pune	19 अक्टूबर, 2015 19 October, 2015	भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान क्षेत्रीय केन्द्र, बाणेर, पुणे IARI Regional Station, Baner
कृषिक 2015 Krushik 2015	कृषि विकास ट्रस्ट, बारामती Agricultural Development Trust, Baramati	6-8 नवम्बर, 2015 6-8 November, 2015	कृषि विज्ञान केन्द्र, बारामती KVK, Baramati
कृषि प्रौद्योगिकी पर्व Agriculture Technology Festival	कृषि विज्ञान केन्द्र, नारायणगांव KVK, Narayangaon	5-8 दिसम्बर, 2015 5-8 December, 2015	कृषि विज्ञान केन्द्र, नारायणगांव KVK, Narayangaon
बागवानी मेला Horticulture Fair	बागवानी विज्ञान विश्वविद्यालय, बागलकोट University of Horticultural Sciences, Bagalkot	19-21 दिसम्बर, 2015 19-21 December, 2015	बागवानी विज्ञान विश्वविद्यालय, बागलकोट UHS, Bagalkot

खेलकूद प्रतियोगिता

भाकृअनुप-प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय, राजगुरुनगर, पुणे ने दिनांक 2 से 6 नवम्बर, 2015 को भाकृअनुप-केन्द्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसंधान संस्थान, अविकानगर, राजस्थान में आयोजित भाकृअनुप पश्चिम जोन खेलकूद प्रतियोगिता-2015 में भाग लिया। भाकृअनुप-प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय की टीम ने 100 मीटर, 200 मीटर, 1500 मीटर दौड़, लंबी कूद एवं ऊंची कूद, रिले दौड़, बैडमिंटन और कैरम प्रतियोगिता में भाग लिया। श्री मंजूनाथ गौड़ा, डी.सी., वैज्ञानिक, भाकृअनुप-प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय ने 200 मीटर दौड़ तथा ऊंची कूद में स्वर्ण पदक, 100 मीटर दौड़ में रजत पदक और लंबी कूद में कांस्य पदक जीता। भाकृअनुप-प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय दो वर्षों तक लगातार श्रेष्ठ प्रदर्शन करने पर उन्हें बधाई देता है।

Sports Meet

ICAR-Directorate of Onion and Garlic Research, Rajgurunagar participated in ICAR West Zone Sports Meet 2015 held from 2nd to 6th November 2015 at ICAR-Central Sheep and Wool Research Institute, Avikanagar, Rajasthan. ICAR-DOGR team took part in 100 m, 200 m, 1500 m race, long jump and high jump, relay, badminton and carom. Sh. Manjunatha Gowda, D. C., Scientist, ICAR-DOGR, won gold medals in 200 m race and high jump, silver medal in 100 m race and bronze medal in long jump. ICAR-DOGR congratulates him for his continuous good performance for two years.



श्री मंजूनाथ गौड़ा, डी.सी. पदक लेते हुए
Sh. Manjunatha Gowda D.C. receiving the medal

मानव संसाधन विकास/Human Resource Development

नाम व पदनाम Name and Designation	प्रशिक्षण/कार्यशाला का शीर्षक Title of Training/Workshop	दिनांक Date	स्थान Venue
डॉ. ए.जे. गुप्ता, वरिष्ठ वैज्ञानिक Dr. A. J. Gupta, Senior Scientist	परामर्शी परियोजना प्रबंधन पर प्रशिक्षण Training on Consultancy Project Managements	3-7 अगस्त, 2015 3-7 August, 2015	नार्म, हैदराबाद NAARM, Hyderabad
डॉ. एस. आनन्दन, वरिष्ठ वैज्ञानिक Dr. S. Anandhan, Senior Scientist	प्रजनन परीक्षणों के विश्लेषण के लिए परिमाणात्मक तकनीकों पर प्रशिक्षण Training on Quantitative techniques for analysis of breeding experiments	2-7 नवम्बर, 2015 2- 7 November, 2015	नार्म, हैदराबाद NAARM, Hyderabad
डॉ. ए. थंगासामी, वैज्ञानिक Dr. A. Thangasamy, Scientist	एनआईसीआर की चतुर्थ समीक्षा कार्यशाला Fourth review workshop of NICRA	13-14 अगस्त 2015 13-14 August, 2015	भाकृअनुप - सीएमएफआरआई, कोच्चि ICAR-CMFRI, Kochi
	प्रयोगात्मक डाटा के विश्लेषण पर प्रशिक्षण Training on Analysis of Experimental Data	17-22 अगस्त, 2015 17-22 August, 2015	नार्म, हैदराबाद NAARM, Hyderabad
	मृदा स्वास्थ्य के प्रबंध पर विचार मंथन सत्र Brain storming session on managing soil health	23-24 नवम्बर, 2015 23-24 November, 2015	एनएससी परिसर, नई दिल्ली NASC Complex, New Delhi
	इंडियन सोसायटी ऑफ सॉयल साइन्स का अठारहवां वार्षिक सम्मेलन Eightieth Annual Convention of Indian Society of Soil Science	5-8 दिसम्बर, 2015 5-8 December, 2015	जीकेवीके, बेंगलुरु GKVK, Bengaluru
डॉ. कल्याणी गोरेपति, वैज्ञानिक Dr. Kalyani Gorrepati, Scientist	पौषणिक सुरक्षा के लिए शाकीय फसलों के प्रसंस्करण हेतु कुल मूल्य श्रृंखला पर प्रशिक्षण Training on Total value chain for processing of vegetable crops for nutritional security	1-11 सितम्बर, 2015 1-11 September, 2015	आईआईवीआर, वाराणसी IIVR, Varanasi
डॉ. वनिता सालुंखे, वैज्ञानिक Dr. Vanita Salunkhe, Scientist	बागवानी फसलों पर फाइटोफथोरा के लिए त्वरित नैदानिकी टूल्स पर कार्यशाला Workshop on Rapid Diagnostic Tools for Phytophthora on Horticultural crops	8 सितम्बर, 2015 8 September, 2015	आईआईएचआर, बेंगलुरु IIHR, Bengaluru
डॉ. वी. करुप्पाया, वैज्ञानिक Dr. V. Karuppaiah, Scientist	एनआईसीआर की चतुर्थ समीक्षा कार्यशाला Fourth review workshop of NICRA	13-14 अगस्त, 2015 13-14 August, 2015	भाकृअनुप - सीएमएफआरआई, कोच्चि ICAR-CMFRI, Cochin
	वैज्ञानिकों और व्यवसाय प्रबंधकों के लिए परिमाणात्मक तकनीकों पर प्रशिक्षण Training on Quantitative techniques for scientists and business managers	7-12 सितम्बर, 2015 7- 12 September, 2015	नार्म, हैदराबाद NAARM, Hyderabad
श्रीमती विजया ए. भुमकर, सहायक वित्त व लेखा अधिकारी Mrs. Vijaya A. Bhumkar, AFAO	स्वायत्त निकायों में उपार्जन लेखांकन पर प्रबंधन विकास कार्यक्रम Management Development Programme on Accrual accounting in autonomous bodies	22-27 जून, 2015 22-27 June, 2015	एनआईएफएम, हैदराबाद NIFM, Hyderabad

नाम व पदनाम Name and Designation	प्रशिक्षण/कार्यशाला का शीर्षक Title of Training/Workshop	दिनांक Date	स्थान Venue
श्री एच.एस.सी. शेख, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी Mr. H.S.C. Shaikh, Senior Tech. Officer	कृषि - जानकारी आधारित संसाधन सूचना प्रणाली नवोन्मेष के लिए हब पर कार्यशाला Workshop on KRISHI - Knowledge based Resources Information System Hub for Innovation	4-5 अगस्त, 2015 4-5 August, 2015	एनएससी परिसर, नई दिल्ली NASC Complex, New Delhi
	सम्मिलित संदेशों और वेब होस्टिंग समाधान पर कार्यशाला Workshop on Unified messaging and web hosting solution	16 दिसम्बर, 2015 16 December, 2015	सीआईएफई, मुम्बई CIFE, Mumbai

कार्मिक / Personnel

पदभार ग्रहण /Joining



श्री. सुनिल कुमार ने दिनांक 1 सितम्बर, 2015 को वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी के रूप में पदभार ग्रहण किया।

Shri. Sunil Kumar joined as Senior Administrative Officer on 1 September, 2015



श्री. योगेश खाडे ने दिनांक 9 अक्टूबर, 2015 को वैज्ञानिक (सब्जी विज्ञान) के रूप में पदभार ग्रहण किया।

Shri. Yogesh Khade joined as Scientist (Vegetable Science) on 9 October, 2015



सुश्री सौम्या पी.एस. ने दिनांक 8 अक्टूबर, 2015 को वैज्ञानिक (कीट विज्ञान) के रूप में पदभार ग्रहण किया।

Miss Soumia P. S. joined as Scientist (Entomology) on 9 October, 2015

स्थानान्तरण/Transfer



डॉ. प्रीति सिंह, वैज्ञानिक (जैव रसायन विज्ञान) का स्थानान्तरण दिनांक 28 अगस्त, 2015 को भारतीय बागवानी अनुसंधान संस्थान, बेंगलुरु में किया गया।

Dr. Pritee Singh, Scientist (Biochemistry) transferred to IIHR, Bengaluru on 28 August, 2015



श्री. सुबोध नीरज, प्रशासनिक अधिकारी का स्थानान्तरण दिनांक 1 सितम्बर, 2015 को भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली में किया गया।

Shri. Subodh Neeraj, Administrative Officer transferred to Indian Agricultural Research Institute, New Delhi on 1 September, 2015

पदोन्नति /Promotion



श्री. पी.एस. तंवर, सहायक की पदोन्नति सहायक प्रशासनिक अधिकारी के पद पर हुई और उन्होंने दिनांक 5 अक्टूबर, 2015 को भाकृअनुप-प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय में नया पदभार ग्रहण किया।

Shri. P.S. Tanwar, Assistant promoted to Assistant Administrative Officer, ICAR-DOGR and joined new assignment on 5 October, 2015



भाकृअनुप-प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय

राजगुरुनगर, पुणे-410 505, महाराष्ट्र, भारत

दूरभाष: 02135- 222026, 222697, फैक्स: 02135- 224056 ईमेल: director.dogr@icar.gov.in

वेब: <http://www.dogr.res.in>

ICAR-Directorate of Onion and Garlic Research

Rajgurunagar - 410 505, Pune, Maharashtra, India

Phone: 02135-222026, 222697 Fax: 02135-224056 E-mail: director.dogr@icar.gov.in

Website : <http://www.dogr.res.in>